उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

आचार्य प्रथम् वर्षे

अद्वैत वेदान्तः (शांकरवेदान्तः)

प्रथम सत्रार्द्धम् (प्रथम सेमेस्टर)

पाठ्यक्रम विवरणम्

प्रथमपत्रम् –	ब्रह्मसूत्रम् (शंकरभाष्यम्) (प्रथमाध्यायस्य, प्रथम, द्वितीयपादौ)	– 80+20 अंकाः
द्वितीयपत्रम् –	छान्दोग्योपनिषत् (शांकरभाष्य सहिता) (पञ्चषष्ठाध्यायौ)	– 80+20 अंकाः
तृतीयपत्रम् –	श्रीमद् भगवद्गीता (शांकरभाष्य सहिता) त्रयोदशचतुर्दशपञ्चदशाध्यायाः	– 80+20 अंकाः
चतुर्थपत्रम् –	ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्य सहितम्) (द्वितीयाध्यायस्य, प्रथमद्वितीयपादौ)	– 80+20 अंकाः
पंचमपत्रम् –	अर्थ संग्रहः (लौगाक्षिभाष्करः) सम्पूर्णः	– 80+20 अंकाः

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

द्वितीय सत्रार्द्धम् (द्वितीय सेमेस्टर)

पाठ्यक्रम विवरणम्

प्रथमपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम्–शांकरभाष्यम् – 80+20 अंकाः
(प्रथमाध्यायस्य, तृतीय, चतुर्थपादौ)

द्वितीयपत्रम् – छान्दोग्योपनिषत् (शांकरभाष्य सहिता) – 80+20 अंकाः
(सप्ताष्टाध्यायौ)

तृतीयपत्रम् – श्रीमद् भगवद्गीता (शांकरभाष्य सहिता) – 80+20 अंकाः
(षोडश, सप्तदशाष्टादशाध्यायाः)

चतुर्थपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम्–शांकरभाष्यम् – 80+20 अंकाः
(द्वितीयाध्यायस्य, तृतीय, चतुर्थपादौ)

पंचमपत्रम् – तत्व प्रदीपिका (चित्सुखी) – 80+20 अंकाः
(प्रथम परिच्छेदे मिथ्यात्त्वनिरूपण पर्यन्ता)

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य द्वितीय वर्षे
अद्वैत वेदान्तः (शांकर वेदान्तः)
(तृतीय सेमेस्टर)
पाठ्यक्रम विवरणम्

प्रथमपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यम्) – 80+20 अंकाः
तृतीयाध्यायस्य, प्रथमद्वितीयाध्यायौ

द्वितीयपत्रम् – भामटी (अध्यासभाष्य पर्यन्ता) – 80+20 अंकाः

तृतीयपत्रम् – अद्वैतसिद्धिः – 80+20 अंकाः
(आदितः सोपाधिकत्त्वनिरूपण पर्यन्ता)

चतुर्थपत्रम् – खण्डनखण्डखाद्यम् – 80+20 अंकाः
(आदितो लक्षण विशेषखण्डन पर्यन्तम्)

पंचमपत्रम् – स्वशास्त्रेतिहासः
(क) स्वशास्त्रीय निबन्धाः – 80+20 अंकाः
(ख) स्वशास्त्रीयाचार्य परिचयः

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

अद्वैत वेदान्तः (शांकर वेदान्तः) (चतुर्थ सेमेस्टर)

पाठ्यक्रम विवरणम्

प्रथमपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यम्) – 80+20 अंकाः
तृतीयाध्यायस्य (तृतीय, चतुर्थ पादौ)

द्वितीयपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यम्) – 80+20 अंकाः
चतुर्थाध्यायः

तृतीयपत्रम् – शास्त्र सिद्धान्तलेश संग्रहः – 80+20 अंकाः
प्रथम परिच्छेदः

चतुर्थपत्रम् – बृहदारण्यकोपनिषत् – 80+20 अंकाः
(शांकरभाष्य संहिता)
(तृतीय, चतुर्थाध्यायौ)

पंचमपत्रम् – वाक्परीक्षा – 100 अंकाः

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।